जालंधर, शनिवार 4 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
जहां हम नहीं होते हैं वहां हमारे गुण व अवगुण हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

पंजाब की लवली यूनिवर्सिटी में छात्र की मौत

9वीं मंजिल से गिरा तो मची अफरा-तफरी

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : पंजाब के जालंधर-फगवाड़ा हाईवे पर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में देर रात हरियाणा के एक छात्र की 9वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। यह सुसाइड है या एक्सीडेंट, इसकी पुलिस की जांच जारी है। मृतक युवक की पहचान हरियाणा के रहने वाले मयंक के रूप में हुई है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। वहीं, क्राइम सीन के कुछ दिल दहला देने वाले वीडियो फोटो भी सामने आए हैं। जिसमें मयंक की लाश यूनिवर्सिटी कैंपस में पड़ी हुई नजर आ रही है।

जोरदार धमाका सा हुआ : घटना गुरुवार की रात करीब 10 बजे की है। मयंक 9वीं मंजिल पर रहता था। देर रात जब वह नीचे गिरा तो जोरदार धमाका सा हुआ। जिसके बाद एकाएक कर भारी मात्रा में स्टूडेंट्स मौके पर इकट्ठा होने लगे जिसके बाद यूनिवर्सिटी में मौजूद अधिकारियों ने तुरंत एंबुलेंस मंगवाई और मयंक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद अस्पताल से मामले की जानकारी सतनामपुर थाने की पुलिस को दी।

SHO बोले- ये सुसाइड या एक्सीडेंट, जांच जारी

थाना सतनामपुरा के एसएचओ गौरव धीर ने बताया कि, सुसाइड सहित विभिन्न एंगलों पर पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल हरियाणा के रहने वाले मयंक का शव पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल फगवाड़ा में भेज दिया है। फगवाड़ा कपूरथला पुलिस द्वारा मामले की जानकारी मृतक के परिवार को दे दी गई है। वहीं, उनके बयानों के आधार पर पुलिस जल्द मामले में कार्रवाई करेगी।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

वंदे भारत 24
हमारे साथ जुड़ने के लिए व विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

चुनाव में केजरीवाल को मिलेगी राहत? सुप्रीम कोर्ट बोला- अंतरिम जमानत पर कर सकते हैं विचार

जालंधर(संदीप मान) : दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि केस लंबा चलेगा ऐसे में अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार कर सकते हैं। बता दें अब इस मामले में कोर्ट 7 मई को सुबह 10.30 मिनट पर सुनवाई करेगा।

दरअसल कोर्ट ने इस मामले में बीते सोमवार और मंगलवार को सुनवाई की थी। जिसमें कोर्ट ने ईडी से अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सवाल पूछे थे आज ईडी उन्हीं सवालों का जवाब सुप्रीम कोर्ट को देना था। सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल के वकील ने कहा कि 16 मार्च तक मैं आरोपी नहीं था फिर अचानक क्या हुआ?

सिंघवी की दलील पर कोर्ट का जवाब

सुनवाई के शुरुआत में अरविंद केजरीवाल के वकील मनु सिंघवी ने कहा कि ईडी की तरफ से 16 मार्च को आखिरी समन आया था। जिसके लिए मुझे 21 मार्च को पेश होना था। ऐसे में 16 मार्च तक मैं आरोपी या दोषी नहीं था फिर अचानक से क्या बदल गया? जिस पर कोर्ट ने जवाब दिया कि जब तक आप गिरफ्तार नहीं होते तब तक आप आरोपी नहीं हैं।

फिर सिंघवी के कहा कि जिन सबूतों के आधार पर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया वो 2023 से भी पहले के हैं उन्हीं सबूतों को आधार बनाकर मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया था। सिंघवी ने आगे कहा कि सेक्शन 70 PMLA किसी राजनीतिक दल द्वारा किए कि किसी भी काम के लिए उसके अध्यक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

सिंघवी की दलील पर कोर्ट का जवाब

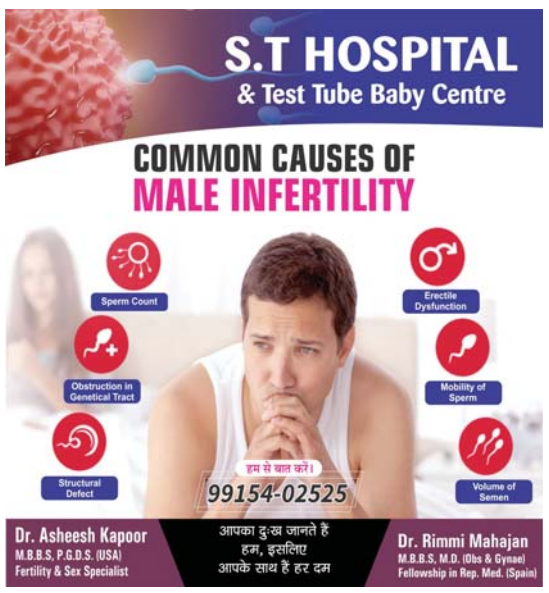

सुनवाई के शुरुआत में अरविंद केजरीवाल के वकील मनु सिंघवी ने कहा कि ईडी की तरफ से 16 मार्च को आखिरी समन आया था। जिसके लिए मुझे 21 मार्च को पेश होना था। ऐसे में 16 मार्च तक मैं आरोपी या दोषी नहीं था फिर अचानक से क्या बदल गया? जिस पर कोर्ट ने जवाब दिया कि जब तक आप गिरफ्तार नहीं होते तब तक आप आरोपी नहीं हैं फिर सिंघवी के कहा कि जिन सबूतों के आधार पर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया वो 2023 से भी पहले के हैं उन्हीं सबूतों को आधार बनाकर मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया था। सिंघवी ने आगे कहा कि सेक्शन 70 PMLA किसी राजनीतिक दल द्वारा किए कि किसी भी काम के लिए उसके अध्यक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

अमेठी से भागे राहुल गांधी...

अब इस सीट से लड़ेंगे चुनाव, प्रियंका गांधी भी चुनाव लड़ने से भागी

जालंधर (हर्ष शर्मा) : उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीट से कांग्रेस उम्मीदवारों को लेकर संशय शुक्रवार (3 मई, 2024) को खत्म हो गया। पार्टी ने रायबरेली सीट से राहुल गांधी को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं बीजेपी की उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, केंद्रीय चुनाव समिति' की बैठक में लोकसभा चुनाव, 2024 के लिए राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश के रायबरेली से और किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से कांग्रेस उम्मीदवार घोषित किया गया है। नामकिन पत्र दाखिल करने के आखिरी दिन कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली सीट से उम्मीदवारों का ऐलान किया है. ऐसे में एबीपी न्यूज़ को सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी अपने बेटे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ नामांकन के समय मौजूद रहेंगी. वहीं केएल शर्मा के नामांकन के दौरान उनके साथ सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के मोजूद रहने की संभावना है।

अमेठी और रायबरेली गांधी परिवार के पारंपरिक क्षेत्र माने जाते हैं. ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई कि आखिर किशोरी लाल शर्मा कौन हैं, जिन्हें कांग्रेस ने अमेठी से चुनावी मैदान में उतारा है. किशोरी लाल शर्मा कौन हैं?

अमेठी सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की पहचान सोनिया गांधी के करीबी नेता के रूप में रही है. मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले केएल शर्मा लंबे समय से रायबरेली में सोनिया गांधी के सांसद प्रतिनिधि के रूप में काम करते आए हैं, करीब चार दशक से अमेठी-रायबरेली में संगठन का काम कर रहे केएल शर्मा को इन दो जिलों की एक-एक गली मालूम है और हर कांग्रेसी इन्हें जानता है. राजीव गांधी के जमाने में इन्हें सरकार के काम का प्रचार प्रसार करने यूपी भेजा गया और बीते पच्चीस सालों से अमेठी और रायबरेली में गांधी परिवार खास तौर पर सोनिया गांधी के नामांकन से लेकर प्रचार के कमान संभालते आए हैं. 2004 में जब राहुल गांधी ने पहली बार अमेठी से पर्चा भरा था तो केएल वहां मौजूद थे और अब बीस साल बाद उसी अमेठी से राहुल की जगह चुनाव लड़ने जा रहे हैं. दरअसल, राहुल गांधी 2004 से लगातार तीन बार अमेठी से सांसद रहे हैं, लेकिन वह 2019 में बीजेपी की नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे. राहुल गांधी वर्तमान में केरल के वायनाड से सांसद हैं और उन्होंने इस सीट पर 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी. इस बार भी राहुल गांधी वायनाड से चुनाव मैदान में हैं।

वहीं 2004 से 2024 तक रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सोनिया गांधी ने किया, लेकिन इससे पहले सोनिया गांधी ने अमेठी सीट का प्रतिनिधित्व किया था और उन्होंने 1999 में पहली बार चुनाव लड़ा था।

बड़ी राहत : हफ्ते में एक बार पत्नी से मिल सकेंगे मनीष सिसोदिया, हाईकोर्ट ने ED-CBI से मांगा जवाब

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा है कि सिसोदिया हिरासत में हफ्ते में एक बार पत्नी से मिल सकेंगे। कोर्ट ने उनकी जमानत की मांग पर ईडी और सीबीआई को नोटिस जारी कर उनसे जवाब भी मांगा है। कोर्ट अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को करेगा। मनीष सिसोदिया कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। वह कई बार जमानत याचिका दाखिल कर चुके हैं। लेकिन हर बार उनकी याचिका खारिज हो गई।

इस बार सिसोदिया ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई।

सिसोदिया ने एक अंतरिम आवेदन में अदालत से अनुरोध किया था कि वह निचली अदालत के उस आदेश को बरकरार रखे, जिसमें उन्हें अपनी याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान हिरासत में रहते हुए बीमार पत्नी से सप्ताह में एक बार मिलने की अनुमति दी गई थी।

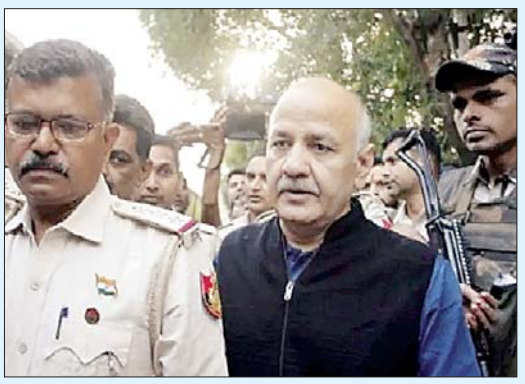

पूर्व पीएम के पोते की वायरल हुई अश्लील वीडियो में दिखी महिला हुई किडनैप

पुलिस थाने पहुंचा बेटा

जालंधर(नितिका) : हसन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो मामले में एक बड़ा मोड सामने आया है। दरअसल, वायरल वीडियो रेवन्ना जिस महिला का यौन शोषण करते दिख रहे है अब वह महिला किडनैप हो गई है। एक पीड़िता के बेटे की ओर से शिकायत दर्ज करवाई गई है। बेटे ने आरोप लगाया गया कि उसकी मां का अपहरण किया गया है।

लापता महिला के 20 वर्षीय बेटे ने मैसूरु जिले के केआर नगर पुलिस स्टेशन में इसे लेकर शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया कि उसकी मां को रेवन्ना परिवार का एक परिचित बहला-फुसलाकर ले गया। अपहरणकर्ता की पहचान सतीश बबन्ना के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने प्रज्वल के पिता और जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना के कहने पर महिला को प्रज्वल के खिलाफ गवाही देने से रोकने के लिए ऐसा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत के आधार पर पुलिस ने एचडी रेवन्ना के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। एफआईआर में कहा गया कि एचडी रेवन्ना की पत्नी भवानी रेवन्ना के समन के बहाने महिला को अपने साथ जाने के लिए मनाया गया। बेटे ने कहा, 'मतदान वाले दिन की बात है। जब बबन्ना ने मेरी मां को हमारे घर पर छोड़ा। उसने मेरे पेरेंट्स से कहा कि अगर वे हमारे घर आएं तो पुलिस को कुछ भी न बताया जाए। साथ ही उसने धमकी दी कि हमारे खिलाफ केस दर्ज कर लिया जाएगा। ऐसा हमें कहा गया कि अगर पुलिस आए तो सचेत रहना होगा।' हालांकि, 29 अप्रैल को वह वापस लौटा। उसने हमारे परिवार के लिए कानूनी खतरों का हवाला दिया और मां को जबरन मोटरसाइकिल पर साथ ले गया।

महिला ने 6 साल तक घरेलू सहायिका के तौर पर किया काम

शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसकी मां ने होलेनरसीपुर में एचडी रेवन्ना के घर और उसके खेत में 6 साल तक घरेलू सहायिका के तौर पर काम किया। मगर, अब से 3 साल पहले उसने नौकरी छोड़ दी। वह अपने गांव लौट आई जहां अब दिहाड़ी मजदूरी करती है। रेवन्ना के लोगों की ओर से कहा गया कि अगर मेरी मां को पुलिस ने पकड़ा तो केस दर्ज होगा और हम सभी जेल चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि रेवन्ना ने मेरी मां को लाने के लिए कहा है। इसके बाद वह मेरी मां को मजबूर करने लगे और जबरन ही अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया। बेटे ने कहा कि उसे 1 मई को यह जानकारी मिली कि एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसमें उसकी मां के साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है।

दलित नहीं था रोहित वेमुला...

तेलंगाना पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट में सभी को दी क्लीन चिट, जानें क्या कहा?

जालंधर (जसवीर) : तेलंगाना पुलिस ने रोहित वेमुला (26) की मौत के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। इसमें पुलिस ने सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है। हैदराबाद की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रोहिल वेमुला ने 17 जनवरी, 2016 को फांसी लगाकर जान दे दी थी। तब रोहित वेमुला सामाजशास्त्र विभाग में पीएचडी के छात्र के रूप में विश्विविद्यालय में रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से कहा गया है कि वेमुला ने इसलिए आत्महत्या कर ली थी। क्योंकि वेमुला कई चीजों को लेकर तनाव में था। पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट में बताया है कि रोहित वेमुला दलित नहीं था। पुलिस ने यह रिपोर्ट रोहित वेमुला की मौत के 100 महीने बाद दाखिल की है।

सभी को दी क्लीन चिट

क्लोजर रिपोर्ट से जो जानकारी समाने आई हैं। उसमें पुलिस ने कहा है कि रोहिल वेमुला की मौत इसलिए हुई क्योंकि उसे डर था कि उसकी असली जाति सभी को पता चल जाएगी। तेलंगाना पुलिस ने वेमुला की मौत के बाद उस वक्त सिंकदराबाद से सांसद रहे बंडारू दत्तात्रेय, एमएलसी एन रामचंदर राव और कुलपति अप्पा राव समेत एबीवीपी और तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने सभी को दोष मुक्त कर दिया है।

रेवंत रेड्डी से मिलेगा परिवार

तेलंगाना पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि रोहिल वेमुला की मां ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाया था। हाई कोर्ट में पुलिस के क्लोजर रिपोर्ट दाखिल किए जाने के बाद रोहित वेमुला के भाई राज वेमुला की प्रतिक्रिया समाने आई है। इसमें उसने इस मुद्दे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिलने की बात कही है। रोहिल वेमुला के आत्महत्या करने पर देश भर के विश्वविद्यालयों में यह मामला जोरशोर से उठा था।

पुलिस ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में यह भी कहा है कि रोहित वेमुला राजनैतिक तौर पर काफी सक्रिय थे। इसके चलते उनका शैक्षणिक प्रदर्शन भी ठीक नहीं था। पुलिस ने आत्महत्या के पीछे इसे सभी वजह माना है। रोहित वेमुला यूनिवर्सिटी में आंबेडकर स्टूडेंट्स असोसिएशन के सदस्य थे। रोहित वेमुला फांसी लगाकर जान देने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा था। इसमें वेमुला ने लिखा था कि मैं हमेशा से एक लेखक बनना चाहता था। वेमुला ने पत्र के अंत में जय भीम लिखकर अपनी बात खत्म की थी।

ब्लैकमेलिंग के मकड़जाल में फंसीं 100 लड़कियां गैंगरेप का हुईं शिकार

झकझोर देगी Ajmer 'सेक्स स्कैंडल' की पूरी कहानी

जालंधर (काजल विज) : कर्नाटक के प्रज्जवल रेवन्ना के कथित सेक्स वीडियो से देशभर चर्चा जोरों पर है. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एसडी कुमारस्वामी के भतीजे प्रज्जवल रेवन्ना पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया, उनके वीडियो बनाए और ब्लैकमेल किया. आरोप है कि प्रज्जवल रेवन्ना के ऐसे 2900 से ज्यादा अश्लील वीडियो एक पेन ड्राइव में मिले हैं जो अब वायरल हो रहे हैं. इधर ये सब होते ही रेवन्ना 26 अप्रैल को यूरोप दौरे पर निकल गए.

इतिहास में वर्ष 1992 काला अध्याय बना : ये कहानी साल 1992 में वहां से शुरू होती है जब कुछ युवा नेताओं ने एक बिजनेसमैन के बेटे से दोस्ती की. उस युवक को झांसे में लेकर एक पोल्ट्री फॉर्म पर ले जाकर कुकर्म किया. इसकी अश्लील तस्वीरें खींचकर ब्लैकमेल करने लगे. आरोपियों ने युवक को अपनी गर्लफ्रेंड को लाने को कहा. वो गर्लफ्रेंड एक नामी कॉलेज में पढ़ती थी. युवक दबाव में आ गया और फायसागर स्थित फरुख चिश्ती के पॉल्ट्री फॉर्महाउस पर लेकर आया. इस लड़की के साथ भी आरोपियों ने गैंगरेप किया. फिर इसकी न्यूड तस्वीरें क्लिक कर ब्लैकमेल किया. लड़की पर दबाव बनाया कि वो अपनी फ्रेंड्स को लेकर आए. ऐसे एक के बाद एक 100 से ज्यादा लड़किया से पोल्ट्री फॉर्म पर सामूहिक बलात्कार हुआ. ये सभी लड़कियां 17-20 साल एज ग्रुप की थीं.

न्यूड तस्वीरों की कॉपियां बंटने लगीं : इधर अश्लील तस्वीरों की रील साफ करने के लिए आरोपियों ने जिस फोटो लैब में दी वहां के एक कर्मचारी ने इनकी और कॉपियां बनाकर दूसरों को दे दी. अब ये तस्वीरें बाजार में हाथों-हाथ बंटने लगीं. जिनके पास ये तस्वीरें पहुंचीं उन्होंने ही लड़कियों को ब्लैकमेल किया.

फिर अलग-अलग स्थानों पर बुलाकर जबरन रेप किया. ये सब होता देख 6 लड़कियों ने सुसाइड कर लिया. बाकी लड़कियों में से अधिकांश के परिवार वालों ने मुंह मोड़ लिया. आज भी वो लड़कियां जो अब दादी-नानी तक बन चुकी हैं छिप-छिपाकर केस की तारीखों पर कोर्ट जाती हैं.

पुलिस तक ऐसे पहुंची खबर : जब तस्वीरें शहर में बंटने लगीं तो कुछ लड़कियां थाने पहुंच गईं. पुलिस के सामने जो बात आई उससे उसके होश उड़ गए. दरअसल ये सारी लड़कियां शहर के बड़े-बड़े अफसरों, रइसों की बेटियां थीं और आरोपी अजमेर शहर यूथ कांग्रेस प्रेसिडेंट, वॉइस प्रेसिडेंट और जॉइंड सेक्रेटरी के साथ-साथ शहर के कुछ रईसजादे थे. केस के मुख्य अभियुक्तों में अजमेर यूथ कांग्रेस अध्यक्ष फारुख चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती के नाम सामने आते ही पुलिस भी घबरा गई और केस को दबाने की कोशिश करने लगी. ध्यान देने वाली बात है कि अजमेर जिला पुलिस प्रशासन ने गोपनीय जांच में यह जान लिया था कि गिरोह में दरगाह के खादिम परिवारों के कई युवा रईसजादे शामिल हैं. ये राजनीतिक और आर्थिक रूप से काफी प्रभावशाली हैं.

एक अखबार से पूरे शहर ने जाना, फिर मचा बवाल : अभी पीड़िताएं पुलिस से न्याय की उम्मीद लगा रही थीं. पुलिस केस दबा रही थी और उनकी उम्मीदें टूटती जा रही थीं. ऐसे में दैनिक नवज्योति दैनिक अखबार में छपी खबर ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया. युवा रिपोर्टर संतोष गुप्ता ने खबर लिखी- 'बड़े लोगों की पुत्रियां ब्लैकमेलिंग का शिकार'. इस खबर के साथ अखबार शहर में बंटा और लोग सिहर गए. पूरा शहर क्रोध और पछतावे की आग में जलने लगा. क्रोध उन आरोपियों पर और पछतावा इस बात का कि काश अपने दोस्तों की बात मान उस पोल्टी फॉर्म पर न जातीं बेटियां. इन सबके बीच आरोपी सबूत मिटाने में और ओहदेदार उन्हें बचाने में लग गए.

शहर छोड़कर जाने लगा पीड़िताओं का परिवार?

शहर में खबर फैलते ही कई लोग रातों-रात शहर छोड़कर परिवार के साथ जाने लगे. पीड़िताओं का मानसिक दशा दयनीय थी. परिवार भीतर ही भीतर घुट रहा था. उनके घरों की दीवारें सिमटती जा रही थीं. चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा नजर आ रहा था. न्याय के दरवाजे तब बंद थे. इन सबके बीच कुछ प्रशासनिक अधिकारी शासन के आदेश का पालन करने में व्यस्त थे और शासन अपनी कुर्सी बचाने में लगा था.

मुख्यमंत्री भैरोंसिंह ने कार्रवाई का आदेश दिया : इधर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को लगा रहा था कि पीड़िताओं के सामने आए बिना यदि किसी पर भी हाथ डाला जाएगा तो शांति और कानून व्यवस्था को सामान्य बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा. साथ मामले में कई प्रभावशाली परिवारों की बेटियों के शामिल होने से पुलिस के लिए ये भी बड़ी चुनौती थी. लिहाजा पुलिस प्रशासन ने तत्कालीन मुख्यमंत्री भाजपा के भैरोंसिंह शेखावत को घटना की पूरी जानकारी दी.

कार्रवाई न होता देख अखबार में छप गईं तस्वीरें : दैनिक अखबार में पहली खबर छपे करीब 15 दिन बीत चुका था.बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं होते देख दूसरी खबर छपी. इसबार तो पत्रकार संतोष गुप्ता ने दूसरी खबर 'छात्राओं को ब्लैकमेल करने वाले आजाद कैसे रहे गए?'

शीर्षक से प्रकाशित की और आरोपियों की शर्मसार कर देने वाली फोटो भी छाप दी. इन तस्वीरों में वे लड़कियों के साथ अपत्तिजनक अवस्था में थे. ये खबर फोटो के साथ आते ही पूरे राजस्थान में बवाल मच गया.

गृह मंत्री ने डेढ़ महीने पहले ही देख ली थी तस्वीरें?

इधर अखबार में तीसरी खबर 'सीआईडी ने पांच माह पहले ही दे दी थी सूचना!' शीर्षक से छप गई. जब चौथी खबर गृहमंत्री के बयान के साथ छपी तो लोग के होश फाख्ता हो गए. गृहमंत्री भाजपा के दिग्विजय सिंह का बयान छपा जिसमें उन्होंने कहा कि 'डेढ़ महीने पहले ही ये तस्वीरें देख लिया था' . इसके बाद तो लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया. लोग सड़कों पर आ गए और अजमेर बंद का ऐलान कर दिया गया. इधर विश्वहिंदू परिषद, शिवसेना, बजरंग दल जैसे संगठनों भी आग बबूला हो गए.

मामले में शहर के वकीलों आए सामने : इधर अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने मीटिंग कर शहर के बिगड़ते हालात पर चर्चा की और पीड़िताओं के अभाव में अपराधियों को सजा दिलाने के तरीकों पर विचार करने लगे. वकीलों की एक टीम तत्कालीन जिला कलक्टर अदिति मेहता से मिली और पुलिस अधीक्षक एमएन धवन की मौजूदगी में बातकर रास्ता निकाल लिया. वकीलों ने सुझाव दिया कि जिन भी आरोपियों को पहचाना जा चुका है उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल में डाल दिया जाए, जिससे लोगों का गुस्सा शांत हो सकेगा. साथ ही साम्प्रदायिक माहौल नहीं बन पाएगा.

वकीलों की बैठक में हुआ चौंकाने वाला खुलासा : वकीलों की बैठक में ऐसा खुलासा हुआ कि जिसने शर्मसार कर दिया. जिला पुलिस प्रशासन को सबसे पहले अजमेर के युवा भाजपा नेता और पेशे से वकील वीर कुमार ने ये अश्लील फोटो दिखाकर षडयंत्र पूर्वक हिन्दू लड़कियों का मुस्लिम युवकों द्वारा यौन शोषण किए जाने की पूरी जानकारी दी. वीर कुमार ने यह भी कहा गया था कि यदि कानूनन अपराधियों को नहीं पकड़ेगा तो हिन्दू संगठन कानून अपने हाथ में लेने से नहीं चूकेगा और सड़कों पर बवाल मच जाएगा जिसे रोकना मुश्किल होगा.

मामले में पहले गोपनीय जांच करने की कही गई बात : इधर पुलिस ने देखा कि भाजपा और हिन्दूवादी संगठन चेतावनी दे रहे हैं तो पुलिस सक्रिय हुई. तत्कालीन उपाधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा को पहले मौखिक आदेश देकर मामले की गोपनीय जांच करने का निर्देश दिया गया. गोपनीय जांच में जो बात सामने आई उससे पुलिस प्रशासन के स्तब्ध रह गई. बावजूद इसके मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कवायद शुरू कर दी गई.

तत्कालीन DIG ने कह दी आपत्तिजानक बात, मचा बवाल : इधर पुलिस ने मामले की लीपापोती शुरू कर दी और तत्कालीन पुलिस उपमहानिरीक्षक ओमेन्द्र भारद्वाज ने बाकायदा प्रेस कॉफ्रेस कर कहा कि मामला जैसा प्रचारित किया जा रहा है वैसा नहीं है. छात्राओं के साथ किसी तरह का यौन शोषण नहीं किया गया है. मामले में जिन चार लड़कियों के साथ यौन शोषण होने के फोटो मिले हैं, उनका चरित्र ही संदिग्ध है.

DIG के बयान से शुरू हो गए आंदोलन : इधर DIG का ये बयान अखबारों में जैसे ही छपा तो अजमेर ही नहीं राजस्थान में आन्दोलन शुरू हो गए. जगह-जगह आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की मांगें उठने लगीं. पीड़िताओं को न्याय देने की आवाज बुलंद होने लगी. कस्बे-शहर बंद होने की खबरें आने लगीं. जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए.

सरकार पर मामले को दबाने के आरोप लगे : इधर उस वक्त की BJP सरकार पर मामले को दबाने के आरोप लगने शुरू हो गए. इधर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, डॉ. रघु शर्मा सहित दूसरे नेताओं ने ही अजमेर में स्कूली छात्राओं के साथ हुए यौन शोषण की निंदा करते हुए अपराधियों को सजा दिए जाने की मांग उठानी शुरू कर दी. कांग्रेस नेताओं ने मामले की जांच सीआईडी से कराए जाने का भी भाजपा सरकार पर दवाब बनाया.

30 मई 1992 को जांच CID CB के पास गई : आखिरकार 30 मई 1992 को मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने मामला सीआईडी सीबी के हाथों में सौंप दिया. इधर इसकी सूचना अजमेर पुलिस को मिली तो उन्होंने सीआईडी सीबी के हाथों जांच शुरू होने से पहले तत्कालीन उपअधीक्षक हरिप्रसाद शर्मा के हाथों एक सादे पेपर पर मामला दर्ज कर लिया. इससे जिला पुलिस की बुरी तरह से भद पिटने से बच गई. पहली रिपोर्ट में गोपनीय अनुसंधान अधिकारी हरि प्रसाद शर्मा ने उन चारों अश्लील फोटो पर रिपोर्ट दी.

मामले में इनके नाम सामने आए

अजमेर जिला पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज होने के अगले ही दिन सीनियर IPS अधिकारी एनके पाटनी अपनी पूरी टीम के साथ अजमेर पहुंच और जांच अपने हाथों में लेकर तफ्तीश शुरू कर दी. जांच में युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष और दरगाह के खादिम चिश्ती परिवार के फारूक चिश्ती, उपाध्यक्ष नफीस चिश्ती, संयुक्त सचिव अनवर चिश्ती, पूर्व कांग्रेस विधायक के नजदीकी रिश्तेदार अलमास महाराज, इशरत अली, इकबाल खान, सलीम, जमीर, सोहेल गनी, पुत्तन इलाहाबादी, नसीम अहमद उर्फ टार्जन, परवेज अंसारी, मोहिबुल्लाह उर्फ मेराडोना, कैलाश सोनी , महेश लुधानी, पुरुषोत्तम उर्फ जॉन वेसली उर्फ बबना एवं हरीश तोलानी के नाम सामने आए.

कलर लैब का मैनेजर था हरीश जहां प्रिंट होते थे फोटो : आरोपियों में हरीश तोलानी अजमेर कलर लैब का मैनेजर था. यहीं पर नफीस चिश्ती और सोहेलगनी छात्राओं के साथ यौन शोषण की नग्न रील धुलवाने और प्रिंट बनवाने के लिए लाते थे. फोटो प्रिंट के लिए कलर लैब के मालिक घनश्याम भूरानी के माध्यम से लैब पर आती थी.

पुरुषोत्तम को ये सब गुजरा नागवार : पुरुषोत्तम उर्फ बबना रील से प्रिंट बनाया करता था. यही वो व्यक्ति है जिसके जरिए सबसे पहले स्कूली छात्राओं की न्यूड फोटो अपराधियों को सबक सिखाने और मुस्लिम युवकों द्वारा छात्राओं का यौनाचार बंद कराए जाने के उद्देश्य से कलर लैब से बाहर निकलकर एक आर्किटेक्ट के पास पहुंचा. यहां से वकील के माध्यम से भाजपा नेता वीर कुमार के पास पहुंचा. इससे अपराधी सजग हो गए और उन्होंने साक्ष्य लीक करने वाली कलर लैब के मालिक धनश्याम भूरानी का गला पकड़ लिया. फिर क्या था मामला परत दर परत खुलने लगा.

पुरुषोत्तम ने पत्नी समेत कर ली आत्महत्या : पुरुषोषत्तम पकड़े जाने के बाद जमानत पर रिहा हुआ. रिहा होने के दो दिन बाद ही पत्नी के साथ घर में ही आत्महत्या कर ली. एक और दुखद खबर सामने आई. जिन लड़कियों की फोटोज खींची गई थी उनमें से करीब 6 ने आत्महत्या कर ली. हालांकि इन आत्महत्याओं की पुलिस ने जांच नहीं की. इस घटना में सबसे दर्दनाक सत्य ये था कि पीड़िताओं के लिए न ही परिवार और न ही समाज होई आगे नहीं आया. आरोपियों के रसूख के चलते सभी ने चुप्पी साध ली.

इधर बदनामी के डर से पीड़िताएं पीछे हटने लगीं : पुलिस ने फोटो के आधार पर लड़कियों की पहचान की. इनसे बात करने की कोशिश की गई, लेकिन समाज में बदनामी के डर से कोई आगे आने को तैयार नहीं हुआ. समझाइश के बाद लड़कियों ने मामला दर्ज करवाया, लेकिन धमकियां मिलने के बाद सिर्फ कुछ ही लड़कियां डटी रहीं. शुरुआत में 17 लड़कियों ने अपने बयान दर्ज करवाए, लेकिन बाद में ज्यादातर गवाही देने से मुकर गईं. फिलहाल कोर्ट के रिकॉर्ड में महज 16 पीड़िताएं हैं जबकि इनकी संख्या 100 के पार थी.

कोर्ट में मुकर गईं पीड़िताएं : अदालत में जब बयान होने लगे तो कुछ पीड़िताएं मुकर गईं. वजह बताया गया पारिवारिक और सामाजिक दबाव. इसके बाद अदालत ने कहा कि केस की गंभीरता को देखते हुए जो बयान दर्ज हुए हैं उन्हें ही उन पीड़िताओं का बयान माना जाए. साथ अदालत ने छ्ढ्ढत्त आमेंद्र भारद्वाज के बयान पर कहा कि जांच से पहले ही मीडिया को ये बयान कैसे दे गए कि इन लड़कियों का चरित्र उचित नहीं है. कोर्ट ने राज्य सरकार को इसकी जांच कराने के निर्देश दिए.

8 को आजीवन कारावास, हाईकोर्ट में 4 हुए बरी: वर्ष 1998 में अजमेर की एक कोर्ट ने 12 में से 8 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाया. इधर मामले में हाईकोर्ट ने निचली अदालत से सजा पाए 4 दोषियों को बरी कर दिया. साल 2003 में सुप्रीम कोर्ट ने बाकी 4 की सजा को आजीवन कारावास से बदलकर 10 साल कर दिया. इनमें इनमें मोइजुल्ला उर्फ पुत्तन इलाहाबादी, इशरत, अनवर चिश्ती और शम्शुद्दीन उर्फ माराडोना शामिल था.

50-54 साल की हो गईं पीड़िताएं, इंसाफ का इंतजार

मामले में अधिकतर पीड़िताएं अब दादी-नानी बन चुकी हैं. वो कोर्ट के समन से परेशान हैं और पेशी पर आने से कतराती हैं. पिछले दिनों एक पीड़िता ने कोर्ट को बताया था कि पेशी पर आने से पहले वो अपने परिवार से झूठ बोलती हैं क्योंकि उनके साथ जो हुआ वो घर पर बताने से बचती हैं.

S.T HOSPITAL
& Test Tube Baby Centre
Near Football Chowk, Jalandhar.
Mob.: 99154-02525, 0181-5042525
www.sthospital.in

अब हर घर गूँजेंगी खुशियों की किलकारियाँ
IUI | IVF | ICSI
विधियों द्वारा पुरुषों तथा महिलाओं के बाँझपन का उपचार किया जाता है
Dr. Asheesh Kapoor
M.B.B.S., P.G.D.S. (USA)
Fertility & Sex Specialist
Dr. Rimmi Mahajan
M.B.B.S, M.D. (Obs & Gynae)
Fellowship in Rep. Med. (Spain)

अरे शहजादे डरो मत भागो मत...

बंगाल की धरती से पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसा

जालंधर (हिमांशु) : कांग्रेस नेता राहुल गांधीउत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने इस संबंध में एक लिस्ट जारी की है। लिस्ट में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाया गया है।

मालूम हो कि राहुल गांधी रायबरेली से पहले वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। इस लोकसभा चुनाव में वह दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं।

राहुल गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोरदार निशाना साधा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की रायबरेली से उम्मीदवारी पर पीएम मोदी ने कहा कि मैंने पहले ही संसद में कहा था कि कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं करेंगी और वह भाग जाएंगी।

भाग कर राजस्थान गई और वहां से राज्यसभा पहुंच गई। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि शहजादा वायनाड में हारने वाले हैं, मैंने कहा था कि जैसे ही वायनाड में मतदान पूरा हो

जाएगा, वह दूसरी सीट की तलाश में लग जाएंगे। अमेठी से इतना डर लगता है कि वह रायबरेली की ओर भाग रहे हैं, वे हर किसी से पूछते हैं, 'डरो मत', आज में भी उनसे पूछता हूं, 'डरो मत, भागो मत

आज नामांकन करेंगे राहुल गांधी

रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी नामांकन करेंगे। नामांकन से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस सासंद राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत अमेठी के फुरसतगंज हवाईअड्डे पर पहुंचे। रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से पार्टी नेता केएल शर्मा के नामांकन दाखिल करेंगे।

राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि हर कोई खुश है कि राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों केएल शर्मा और राहुल गांधी भारी अंतर से जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी खुद डरी हुई हैं।

शराब पीने से किया मना, गुस्साए बेटे ने मां को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

जालंधर (हर्ष शर्मा) : नाथूसरी चौपटा तहसील के गांव दड़बाकलां में लाठी से पीटकर मां की हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसे न्यायालय में पेश कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करेगी। आरोपित विकास उर्फ विक्की ने घटना के समय काफी शराब पी रखी थी।

यह बात उसने पुलिस को भी बताई है जिसके कारण शराब के नशे में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। नाथूसरी चौपटा थाना के एएसआई लेख राम ने बताया कि आरोपित विकास उर्फ विक्की को न्यायालय में पेश किया जाएगा। बता दें कि सोमवार रात में शराब के नशे में घर से बाहर ले जाने की जिद पर अड़े विकास उर्फ विक्की ने अपनी मां चावली देवी के रोकने पर लाठी से हमला कर दिया।

इस हमले में आरोपित ने अपनी मां के सिर, मुंह, नाक सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर गंभीर घायल कर दिया। बीच बचाव करने आए पिता अमर सिंह को भी बेटे ने लाठी से पीटा और लहूलुहान हालत में दोनों को एक कमरे में बंद कर घर से बाहर चला गया। बड़े बेटे रोशन ने घर पर आने के बाद घायल मां-बाप को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान मां चावली देवी की मौत हो गई।

आरोपित की मां उसे नशा न करने और नशे में वाहन लेकर बाहर न जाने के लिए रोक रही थी। शराब के नशे धुत बेटे ने लाठी लेकर अपनी मां के सिर, मुंह, नाक व बाजुओं पर वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। गंभीर घायल मां की उपचार के दौरान जिला नागरिक अस्पताल में बुधवार सुबह मौत हो गई।

बेटे की मार से मां को बचाने के लिए बीच में आए पिता को भी आरोपित ने नहीं बख्शा। उस पर भी हमला कर दिया। घटना नाथूसरी चौपटा के दड़बा कलां गांव की है। पुलिस ने आरोपित युवक के पिता की शिकायत पर हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया था।

भाजपा ने Punjab के इन नेताओं को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

जालंधर (काजल विज) : लोकसभा चुनावों की तैयारियों के बीच एक अहम खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 13 हल्को के इंचार्जों और कंवीनरों की सूची जारी की है, जिसके चलते नेताओं को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जानाकरी मुताबिक, बीजेपी प्रदेश प्रभारी विजय रूपाणी व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पूर्व मंत्री विजय सांपला को लुधियाना संसदीय क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है। इसी के साथ इंदर इकबाल सिंह अटवाल व जितिंदर मित्रा को संयोजक, जालंधर की कमान पूर्व विधायक के.डी. भंडारी, अमृतसर में अविनाश खन्ना, फिरोजपुर में सुंदर शाम अरोड़ा, बठिंडा में बीजेपी इंचार्ज कम को इंचार्ज दयाल सोढ़ी और शिवराज चौधरी, गुरदासपुर में अश्विनी शर्मा, फरीदकोट में हरजोत कमल, पटियाला में अनिल शर्मा, आनंदपुर साहिब में परमिंदर सिंह बराड़, होशियारपुर में प्रवीण बांसल को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि विजय सांपला टिकट न मिलने की वजह से काफी समय से नाराज चले आ रहे थे। पंजाब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उनसे होशियारपुर में उनके आवास पर मुलाकात भी की थी जहां पर उनकी नराजगी व अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। यही नहीं बीजेपी प्रदेश प्रभारी विजय रूपाणी ने भी उनसे मुलाकात की थी। इसी के चलते आज विजय सांपला को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर फेंका गया जूता, मंच पर भाषण के दौरान हुआ हमला

जालंधर (नितिका) : फतेहाबाद में सती मंदिर पर शोषित समाज पार्टी के प्रत्याशी होतम सिंह के समर्थन सभा में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर योगी यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारी ने जूता फेंक दिया। हालांकि, स्वामी प्रसाद मौर्य बाल-बाल बच गए। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सनातन धर्म पर अभद्र टिप्पणी करने को लेकर पूर्व में ही कई संगठनों ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से विरोध का एलान किया था। सभा स्थल को जाते समय स्वामी प्रसाद मौर्य को काले झंडे भी दिखाए गए थे। फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र से शोषित समाज पार्टी प्रत्याशी होतम सिंह के समर्थन में शुक्रवार को सती मंदिर फतेहाबाद में सभा आयोजित की जा रही थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के आगमन को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा पदाधिकारियों ने पहले से ही विरोध का एलान किया था। स्वामी प्रसाद मौर्य का काफिला जैसे ही कस्बा में अवंतीबाई चौराहे पर पहुंचा। अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए। इसके बाद एक कार्यकर्ता ने गाड़ी पर काली स्याही फेंकने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। सभा स्थल पर पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य मंच से संबोधन दे रहे थे।